# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला, पंजाब केसरी........

दिनांक 31..1..2021...पृष्ठ संख्या....1, 3........कॉलम....3, 3......

## एचएयू के स्थापना दिवस पर 2 व 3 को लगेगी पुस्तक प्रदर्शनी

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 व 3 फरवरी को विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टेक्नोलॉजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 11 जानेमाने प्रकाशक हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का संचालन परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप की देखरेख में किया जाएगा। संवाद

## 'एच.ए.यू. के स्थापना दिवस पर लगेगी पुस्तक प्रदर्शनी'

हिसार, 30 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 व 3 फरवरी को विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी।

पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ........ हरि भूमि ........

दिनांक 31.1.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 5

## एचएयू के स्थापना दिवस पर 2 व 3 फरवरी को लगेगी पुस्तक प्रदर्शनी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 व 3 फरवरी को विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 11 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का संचालन परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप की देखरेख में किया जाएगा।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 31.1.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....6.....

### एचएयू में दो, तीन को लगेगी पुस्तक प्रदर्शनी

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दो और तीन फरवरी को विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। पुस्कालय अध्यक्ष प्रो. बलवान सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टेक्नोलॉजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। 11 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। प्रदर्शनी का संचालन परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डा. भानु प्रताप की देखरेख में किया जाएगा। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उच्चतम गुणवत्ता की पुस्तकों का चयन किया जाना है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 31.1.2021.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1-2.....

# एचएयू के स्थापना दिवस पर 2 और 3 फरवरी को लगेगी पुस्तक प्रदर्शनी

### 11 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 व 3 फरवरी को विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टेक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 11 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का संचालन परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप की देखरेख में होगा। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उच्चतम गुणवत्ता की पुस्तकों का चयन किया जाना है ताकि नेहरू पुस्तकालय में उनकी उपलब्धता आसानी से हो सके।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
## लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 31.1.2021.....पृष्ठ संख्या....7.....कॉलम....5.....

### हकृवि के स्थापना दिवस पर 2 व 3 फरवरी को लगेगी पुस्तक प्रदर्शनी

हिसार, 30 जनवरी (सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 व 3 फरवरी को विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए पुस्कालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में कृषि विज्ञान, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी, नैनो टैक्नॉलोजी, कृषि व्यवसाय, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगी एवं सामान्य ज्ञान की पुस्तकों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस पुस्तक प्रदर्शनी में 11 जाने-माने पब्लिशर्स हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का संचालन परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप की देखरेख में किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 1.2.2021 पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....1-2.....

# कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

## बीजी गई गेहूं की बौनी किस्म में तीसरा व पछेती किस्मों में दूसरा पानी देने का है यही उचित समय

यह महीना समय पर बीजी गई गेहूं की बौनी किस्मों में तीसरा पानी और पछेती किस्मों में दूसरा पानी देने का है। यदि नाइट्रोजन वाली खाद की कोई मात्रा शेष रह गई हो तो इसी पानी के साथ डाल दें व खाद डालने के बाद गुड़ाई अवश्य करें। हल्की जमीन में खाद सिंचाई के बाद डालें। इसी तरह जौ की फसल में भी दूसरा पानी और नाइट्रोजन की बची आधी मात्रा भी डालें।

तापमान में गिरावट आने, आसमान में लगातार बादल या धुंध छाए रहने के कारण अक्सर गेहूं की पछेती फसल में जस्ते की कमी के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 25-30 दिन की फसल पर नीचे की दो पत्तियों को छोड़कर अन्य पत्तियों का हरा रंग उड़कर हल्का होना शुरू हो जाता है। फिर पत्तों के माध्यम में सफेद या हल्के-पीले रंग के छोटे-छोटे धब्बे बन जाते हैं। जस्ते की लगातार कमी बने रहने पर धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं। अत्यधिक कमी में नई आने वाली पत्तियों और मुख्य तनों पर भी, जहां पत्तियों मिलती हैं, वहां पर भूरे-पीले धब्बे बन जाते हैं। कई बार पत्ती के बीच का भाग मुख्य सिरे को छोड़कर पूरा सूख जाता है। मगर पत्ती की नोक की ओर का हिस्सा हरा बना रहता है। पत्ती बीच में मुड़कर नीचे की ओर लटक जाती है। कई बार नई पत्तियां अत्यंत पतली व नुकीली दिखाई देती हैं। पौधे की गांठों के बीच की दूरी घट जाती है, जिससे बढ़वार कम हो जाती है। इससे फसलों में बालें देर से आती हैं और बाल में दानों की संख्या कम बनती हैं। यदि कमी को समय से दूर न किया जाए तो उपज में बहुत गिरावट आ जाती है। खड़ी फसल में जस्ते की कमी तुरंत दूर करने के लिए फसल की पत्तियों पर 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट का छिड़काव करें।

एक एकड़ फसल पर छिड़काव के लिए पंप से 200 लीटर घोल की आवश्यकता होगी, जिसके लिए 1.0 किलोग्राम जिंक सल्फेट लगेगा, क्योंकि जिंक सल्फेट की तासीर तेजाबी होती है। इस उदासीन करने के लिए 0.25 प्रतिशत चूने का घोल या 2.5 प्रतिशत यूरिया का घोल प्रयोग करना चाहिए। इकट्ठा घोल बनाने के लिए पहले जिंक सल्फेट और चूना या यूरिया का घोल 9-10 लीटर पानी में अलग-अलग बना लेना चाहिए। फिर मलमल के बारीक कपड़े से छानकर दोनों घोलों को मिलाकर घोल की पूरी मात्रा बना लें। 15-15 दिन के अंतर पर दो छिड़काव करें। ओस से भीगी फसल पर, तेज हवा चलते समय या शाम के समय छिड़काव न करें। यदि किसी कारणवश छिड़काव से फसल गल जाए तो फसल को पानी लगा दें। यदि जमीन में पर्याप्त नमी है तो पानी लगाने की आवश्यकता नहीं है। एक सप्ताह में फसल स्वयं ठीक हो जाएगी। जिन किसानों के ट्यूबवेल या बोर के पानी में बाइकार्बोनेट है और जमीन में कैल्शियम कार्बोनेट भी है, वहां पानी लगाने के बाद फसल में पीलापन भी आ सकता है। ध्यान से देखें कि यदि नीचे की पत्तियों हरी हों और नई निकलने वाली पत्तियां पीली धारीदार या पूर्णतया पीली दिखाई दें तो समझें कि यह लोहे की कमी के कारण है। यह समस्या कुछ खेतों या कुछ विशेष किस्मों में अधिक स्पष्ट दिखाई देगी। जमीन में पहुंचाए गए पानी में बाइकार्बोनेट की अधिकता के कारण यह समस्या प्रकट हुई है। इस समस्या के तुरंत समाधान के लिए पहले तो फसल पर 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट घोल के 8-10 दिन के अंतर पर लगातार दो-तीन छिड़काव करें और बाइकार्बोनेट को उदासीन करने के लिए पानी की जांच के अनुसार जिप्सम डालें। फेरस सल्फेट खरीदते समय ध्यान दें कि इसका रंग हरा हो। यदि लाल रंग है तो उसे छिड़कने से लाभ नहीं होगा।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

*प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार*